

| Evangelium Oktober 2021 | | | |
|-------------------------|----|---|------------------------------|
| 1 | Fr | Thérèse v Lisieux | Lk 10,13-16 |
| 2 | Sa | Hl. Schutzengel | Lk 10,17-24 |
| 3 | So | Erntedank (27. So. i. Jk.) | Lk 12,15-21 oder 17,11-19 |
| 4 | Mo | Franz v Assisi | Lk 10,25-37 |
| 5 | Di | Faustyna Kowalska, Anna Schäffer | Lk 10,38-42 |
| 6 | Mi | Bruno | Lk 11,1-4 |
| 7 | Do | ULF v. Rosenkranz | Lk 11,5-13 |
| 8 | Fr | | Lk 11,14-26 |
| 9 | Sa | Dionysius & Gef, Johannes Leonardi | Lk 11,27-28 |
| 10 | So | 28. Sonntag i. Jk. (Rosenkranzfest) | Mk 10,17-30 |
| 11 | Mo | Mater Ter Admirabilis | Lk 11,29-32 |
| 12 | Di | | Lk 11,37-41 |
| 13 | Mi | | Lk 11,42-46 |
| 14 | Do | Kallistus I | Lk 11,47-54 |
| 15 | Fr | Theresia v Avila | Lk 12,1-7 |
| 16 | Sa | Gallus, Hedwig, Mar- gareta M Alacoque | Lk 12,8-12 |
| 17 | So | 29. Sonntag i. Jk. (Kirchweihsonntag) | Mk 10,35-45 |
| 18 | Mo | Lukas | Lk 10,1-9 |
| 19 | Di | Johannes de Brébeuf, Paul v. Kreuz | Lk 12,35-38 |
| 20 | Mi | Wendelin | Lk 12,39-48 |
| 21 | Do | Ursula & Gefährtinnen | Lk 12,49-53 |
| 22 | Fr | Papst Joh Paul II. | Lk 12,54-59 |
| 23 | Sa | Joh v Capestrano | Lk 13,1-9 |
| 24 | So | 30. Sonntag i. Jk. Weltmissionssonntag | Mk 10,46-52 |
| 25 | Mo | | Lk 13,10-17 |
| 26 | Di | | Lk 13,18-21 |
| 27 | Mi | | Lk 13,22-30 |
| 28 | Do | Apostel Simon & Judas | Lk 6,12-19 |
| 29 | Fr | | Lk 14,1-6 |
| 30 | Sa | | Lk 14,1,7-11 |
| 31 | So | 31. Sonntag im Jahreskreis | Mk 12,28b-34 |

| Lesung Oktober 2021 | | | |
|---------------------|----|----------------------------------|--|
| 1 | Fr | Bar 1,15-22 | |
| 2 | Sa | Bar 4,5-12.27-29 | |
| 3 | So | Dtn 8,7-18 1 Tim 6,6-11.17-19 | |
| 4 | Mo | Jona 1,1-2.1.11 | |
| 5 | Di | Jona 3,1-10 | |
| 6 | Mi | Jona 3,10b;4,1-11 | |
| 7 | Do | Mal 3,13-20a | |
| 8 | Fr | Joel 1,13-15; 2,1-2 | |
| 9 | Sa | Joel 4,12-21 | |
| 10 | So | Weish 7,7-11 Hebr 4,12-13 | |
| 11 | Mo | Röm 1,1-7 | |
| 12 | Di | Röm 1,16-25 | |
| 13 | Mi | Röm 2,1-11 | |
| 14 | Do | Röm 3,21-30a | |
| 15 | Fr | Röm 4,1-8 | |
| 16 | Sa | Röm 4,13.16-18 | |
| 17 | So | Jes 53,10-11 Hebr 4,14-16 | |
| 18 | Mo | 2 Tim 4,10-17b | |
| 19 | Di | Rom 5,12.15b.17-19.20b-21 | |
| 20 | Mi | Röm 6,12-18 | |
| 21 | Do | Röm 6,19-23 | |
| 22 | Fr | Röm 7,18-25a | |
| 23 | Sa | Röm 8,1-11 | |
| 24 | So | Jer 31,7-9 Hebr 5,1-6 | |
| 25 | Mo | Röm 8,12-17 | |
| 26 | Di | Röm 8,18-25 | |
| 27 | Mi | Röm 8,26-30 | |
| 28 | Do | Eph 2,19-22 | |
| 29 | Fr | Röm 9,1-5 | |
| 30 | Sa | Röm 11,1-2a.11-12.25-29 | |
| 31 | So | Dtn 6,2-6 Hebr 7,23-28 | |



LIEBFRAUENMÜNSTER
UND ST. MORITZ

Anmerkung: Der Bibelleseplan kann ausgedruckt und als Lesezeichen zurechtgeschnitten werden. So lässt sich der Verlauf der Monatslesungen gut in der eigenen Bibel mitverfolgen. Ein praktischer Tipp: Nach der Betrachtung den Tag durchstreichen. Dann findet man sich am nächsten Morgen sofort zurecht.

